भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.4130

दिनांक 25 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

सीटीसी और परंपरागत चाय का उत्पादन

4130. श्री रंजीत दत्ता:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) असम में सीटीसी और परंपरागत चाय के वार्षिक उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में प्रतिवर्ष नीलाम की जाने वाली सीटीसी और परंपरागत चाय की कुल मात्रा कितनी है:

(ग) देश द्वारा चीन, वियतनाम और श्रीलंका से प्रतिवर्ष चाय की कितनी किस्मों और कितनी मात्रा का आयात किया जाता है:

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान चाय के आयात में देखी गई प्रवृत्तियों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने स्वदेशी चाय उत्पादन के संरक्षण और संवर्धन के लिए कदम उठाए हैं; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): पिछले पांच वर्षों के दौरान असम में सीटीसी और परंपरागत चाय के वार्षिक उत्पादन का ब्यौरा निम्नवत है:

वर्ष	सीटीसी चाय (मिलियन किलोग्राम)	परंपरागत चाय (मिलियन किलोग्राम)
2020	564.79	51.14
2021	601.89	62.87
2022	606.82	78.98
2023	617.41	67.99
2024	574.89	71.84

स्रोत: टी बोर्ड

(ख): पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में नीलामी में बेची गई सीटीसी और परंपरागत चाय की मात्रा का ब्यौरा निम्नवत है:

वर्ष	सीटीसी चाय (मिलियन किलोग्राम)	परंपरागत चाय (मिलियन किलोग्राम)
2020	508.42	51.54
2021	572.57	59.37
2022	521.33	67.81
2023	520.92	66.39
2024	529.76	52.85

स्रोत: टी बोर्ड

(ग): पिछले पांच वर्षों के दौरान चीन,वियतनाम और श्रीलंका से आयातित चाय की मात्रा का ब्यौरा निम्नवत है:

वर्ष	आयातित चाय		
	चीन (मिलियन किलोग्राम)	वियतनाम (मिलियन किलोग्राम)	श्रीलंका (मिलियन किलोग्राम)
2020	0.45	3.42	0.64
2021	0.70	4.00	0.39
2022	0.67	3.10	0.36
2023	0.55	2.14	0.25
2024	0.91	2.62	0.28

स्रोत: डीजीसीआईएस, कोलकाता

(घ): पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में आयातित चाय की मात्रा और मूल्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	मात्रा (मिलियन किलोग्राम)	मूल्य (मिलियन अमरीकी डॉलर)
2019-20	15.54	32.66
2020-21	27.75	62.54
2021-22	25.97	50.91
2022-23	29.98	60.09
2023-24	25.21	53.30

स्रोत: टी बोर्ड

(ङ.) और (च): सरकार चाय बोर्ड के माध्यम से 'चाय विकास और संवर्धन योजना' को क्रियान्वित कर रही है, जिसके तहत विभिन्न कार्यकलाप के लिए सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ चाय का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए पुरानी और जीर्ण झाड़ियों का पुनःरोपण, स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों (एसएचजी/एफपीओ) द्वारा लघु चाय कारखानों की स्थापना और क्षमता निर्माण शामिल हैं।

****